घर वापसी

टाइल्स फैक्ट्री में कैद थे मंडला के श्रमिक, कलेक्टर की पहल एवं जनपद सभापति और प्रशासन की तत्परता से मिली मजदूरी और आजादी

बीजाडांडी के मजदूरों को गुजरात में बनाया बंधक

बीजाडांडी, नवभारत। रोजगार की तलाश में गुजरात गए विकासखंड बीजाडांडी के मजदूरों को बंधक बनाए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। जिस पर जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से इन मजदूरों को न केवल फैक्ट्री के चंगुल से मुक्त कराया गया, बल्कि उन्हें उनकी पूरी मजदूरी दिलवाकर सुरक्षित घर वापस लाया गया।

जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत मगरधा से शुभम, बरौंची से संतोष और मानिकसरा से विनीता सहित मंडला जिले के अन्य मजदूर गुजरात के जिला मोरबी के ग्राम पावड़िया स्थित स्काइप नामक टाइल्स फैक्ट्री में काम करने गए थे। वहाँ फैक्ट्री संचालक और ठेकेदार द्वारा मजदूरों को न तो मजदूरी दी जा रही थी और न ही उन्हें घर वापस आने दिया जा रहा था।

सभापति ने कलेक्टर को वस्तु स्थिति से कराया अवगत

मजदूरों ने आरोप लगाया कि वहां से आने की कोशिश करने वालों के साथ मारपीट कर उन्हें डराया-धमकाया जा रहा था। मजदूरों की इस विपदा की जानकारी फोन के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनपद पंचायत बीजाडांडी के सभापति राजेन्द्र पुट्टा को प्राप्त हुई। श्री पुट्टा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कलेक्टर सोमेश मिश्रा को वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

परिजनों ने मानवीय मदद के लिए प्रशासन का माना आभार

कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाई और सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार सिन्हा के समन्वय से गुजरात प्रशासन व संबंधित फैक्ट्री प्रबंधन से संपर्क साधा। दबाव के बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने सभी बंधक मजदूरों को मुक्त किया और उनकी मेहनत की पूरी राशि का भुगतान किया। बंधक मुक्त हुए सभी मजदूर अब सकुशल अपने घर लौट आए हैं। मजदूरों और उनके परिजनों ने इस मानवीय मदद के लिए जिला प्रशासन और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया है।

अंशिका को मिला मिस ब्यूटी विथ ब्रेन का नेशनल टाइटल

▶ इंडियास टॉप मॉडल में हासिल किया बड़ा खिताब

सिझौरा। जिले के सुदूर ग्रामीण अंचल सिझौरा की बेटी अंशिका राय ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। अंशिका ने राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित अग्रवाल प्रोडक्शन हाउस के प्रतिष्ठित टीवी रियलिटी शो इंडियास टॉप मॉडल में हिस्सा लेकर मिस ब्यूटी विथ ब्रेन का नेशनल टाइटल अपने नाम किया है। बताया गया कि देशभर से उभरते हुए मॉडल्स को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस शो में विभिन्न राज्यों के सैंकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें अंशिका राय ने अपनी बुद्धिमानी, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ सभी चरणों को सफलतापूर्वक पार किया। उनके संतुलित प्रदर्शन और प्रभावशाली व्यक्तित्व को देखते हुए निर्णायकों ने उन्हें मिस ब्यूटी विथ ब्रेन के प्रतिष्ठित खिताब से नवाजा।

सफलता का श्रेय परिवार को-अंशिका राय, अमित कुमार राय की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी इस गौरवमयी सफलता का पूरा श्रेय अपने परिवार और विशेष रूप से अपनी माँ को दिया है, जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया। ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के मंच पर सफलता प्राप्त करने वाली अंशिका आज क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

महिलाओं को मिलेगा स्कूल ड्रेस सिलाई का काम

▶ कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने 28 जनजाति महिलाओं को बांटी सिलाई मशीन

नैनपुर। समृद्धि अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण समिति के तत्वावधान में नगर के वार्ड क्रमांक 6 में संस्था का वार्षिक कार्यक्रम वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तिया उईके रहीं, जिन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

संस्था की अध्यक्ष श्रीमती किरण भारद्वाज के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कुटीर उद्योग एवं हथकरघा विभाग व जिला पंचायत के सहयोग से 28 अनुसूचित जनजाति महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इसके साथ ही मंत्री श्रीमती उईके ने रिबन काटकर महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का

विधिवत शुभारंभ किया।

मिलेगा रोजगार का अवसर-कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने हथकरघा केंद्र का बारीकी से अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा हाथ से कपड़ा बनाने के कौशल की सराहना की। उन्होंने घोषणा की कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए स्कूलों की पोशाक (यूनिफॉर्म) सिलाई का कार्य इन्हीं समूहों को दिया जाएगा, जिससे उन्हें सतत कार्य और भुगतान सुनिश्चित हो सके। संस्था द्वारा मंत्री जी का स्वागत प्राकृतिक फूलों से किया गया, जिसके माध्यम से समाज को प्लास्टिक मुक्त आयोजन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया गया।

ये रहे उपस्थित-इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजूलता वैष्णव, जनपद सदस्य श्रीमती ओमवती उईके, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सीता उईके, नगर अध्यक्ष राकेश रजक, राजाराम जी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पार्षदगण और मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की समस्त महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

बिछिया में हिंदू सम्मेलन की तैयारियां पूर्ण, आज कल्याण आश्रम में जुटेगा समाज

भुआ बिछिया। भुआ बिछिया में आज 18 जनवरी को आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस आयोजन के तारतम्य में नगर के विभिन्न मंदिरों में प्रतिदिन आयोजित होने वाली कलश स्थापना और यात्रा का शनिवार को विधिवत समापन हुआ। हिंदू सम्मेलन के प्रचार-प्रसार और आध्यात्मिक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से नगर में भव्य गतिविधियां संचालित की गईं।

बताया गया कि आज रविवार को कल्याण आश्रम परिसर में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन सुनिश्चित है। इसके लिए पिछले कई दिनों से नगर में प्रभात फेरी, कलश पूजन और नगर सज्जा जैसी गतिविधियां निरंतर जारी थीं। रविवार को आयोजित होने वाले इस मुख्य कार्यक्रम में सुंदर कांड पाठ और संत सभा का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग एकत्रित होंगे।

नारायणगंज में 26 जनवरी तक चलेगा ग्राम विकास पखवाड़ा

▶ सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने ग्रामोत्सव शुरू

नारायणगंज। मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड नारायणगंज के तत्वावधान में ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा द्वारा स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार 12 से 26 जनवरी तक संचालित होने वाले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश सरकार की लोकहितकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाना और पात्र हितग्राहियों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। इस अभियान के माध्यम से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए एक सकारात्मक वातावरण तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामोत्सव मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में ग्राम विकास के विभिन्न पहलु जिसमें ग्राम चौपाल एवं ग्राम रैली का आयोजन, सामूहिक श्रमदान और पर्यावरण संरक्षण, परिवार संपर्क एवं सामाजिक समरसता का आयोजन इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को विकास कार्यों से जोड़ा जाएगा।

नशा मुक्ति की दिलाई शपथ किया सम्मान-विकासखंड समन्वयक संतोष झरिया ने इस अवसर पर नशा मुक्ति अभियान और विकासखंड में संचालित अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। साथ ही समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों, समितियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद- कार्यक्रम को सफल बनाने में परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, सुरेश सोनी, इंद्रा उइके, सुमित हथाले सहित नवांकुर संस्था के कमलेश पावले, अमरनाथ मरकाम और कृष्ण कुमार झरिया का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संयुक्त संचालक ने परखी पोषण और भोजन की गुणवत्ता

बच्चों के वजन का हुआ सत्यापन, पोषण ट्रैकर पर शत-प्रतिशत पंजीयन के लिए कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

बीजाडांडी। महिला एवं बाल विकास विभाग जबलपुर की संयुक्त संचालक श्रीमती ऊषा सोलंकी ने शनिवार को बीजाडांडी परियोजना के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का आकस्मिक भ्रमण कर विभागीय गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं और पोषण आहार की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की।

संयुक्त संचालक ने ग्राम घुघरी, सोधन पिपरिया, कालपी व बीजाडांडी स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बच्चों के वजन का स्वयं सत्यापन किया और केंद्रों में संचालित ईसीसीई गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रों में विकसित किए गए किचन गार्डन का अवलोकन करते हुए बच्चों को दिए जा रहे नाश्ते और भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया।

पोषण ट्रैकर पर पंजीयन के दिए निर्देश-निरीक्षण के दौरान श्रीमती सोलंकी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के जो बच्चे अभी तक पोर्टल पर दर्ज नहीं हैं, उनका पोषण ट्रैकर पर तत्काल पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय सेवाओं का लाभ हर पात्र बच्चे तक पहुंचना चाहिए। निरीक्षण के समय परियोजना अधिकारी मनीषा तिवारी एवं संबंधित क्षेत्रों की पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहीं।

ग्राम पंचायत ककैया में आनंद उत्सव कार्यक्रम आयोजित

अंजनिया। ग्राम पंचायत ककैया में आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन पंचायत खेल मैदान में उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच ममता मरकाम ने की। इस अवसर पर उपसरपंच शिवप्रकाश ठाकुर, वरिष्ठ पंच फागू लाल मरकाम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। आनंद उत्सव के अंतर्गत ग्रामीणों ने प्रतिभागी के रूप में विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया और खेलों को रोमांचक बनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण क्रिकेट प्रतियोगिता रही, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन

किया। क्रिकेट मैच में ग्राम के व्यापारी संघ से जुड़े वरिष्ठ खिलाड़ियों जावेद अहमद, दिनेश पटेल, जमुना पटेल, रविंद्र पटेल, राजेश पटेल, भागवत नंदा, दसरू नंदा, नवीन पांडे, मोहम्मद शाकिर हुसैन, वाहिद अहमद, सोनल पटेल, हाई स्कूल शिक्षक एवं अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति रही। खिलाड़ियों के उत्साहपूर्ण खेल से पूरे मैदान में आनंद और उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में पेसा मोबिलाइजर उपेंद्र कुड़ापे, अन्य स्टाफ तथा अजगर दादर स्पोर्ट क्लब ककैया का विशेष सहयोग रहा।

आज भोपाल में जुटेगा ओबीसी, एससी, एसटी समाज

▶ जिले से कार्यकर्ताओं को अधिकाधिक संख्या में शामिल होने किया आह्वान

नैनपुर। ओबीसी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की ज्वलंत समस्याओं और संवैधानिक अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए आज 18 जनवरी को भोपाल के गोविंदपुरा (भेल) स्थित दशहरा मैदान में एक विशाल महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में प्रदेश भर से लाखों लोगों के जुटने की संभावना है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विमलेश सोनी और अपाक्स प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह सम्मेलन इन वर्गों के साथ हो रहे वर्षों पुराने अन्याय और उपेक्षा के विरुद्ध एक निर्णायक संघर्ष है।महासम्मेलन के माध्यम से शासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखी जाएंगी, जिनमें ओबीसी वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में 52 प्रतिशत आरक्षण देना और पदोन्नति में आरक्षण का लाभ प्रदान करना। एससी, एसटी, ओबीसी के सभी बैकलॉग पदों को विशेष भर्ती अभियान चलाकर भरना। आउटसोर्स, संविदा और निजी क्षेत्रों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू करना। विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना और छात्रावासों की संख्या बढ़ाना। सफाई कर्मियों को नियमित करना और पुरानी पेंशन योजना बहाल करना। पेसा अधिनियम और पांचवीं अनुसूची को प्रभावी ढंग से लागू कर आदिवासियों को उनके संसाधनों व रोजगार का हक दिलाना।

दमनात्मक कार्रवाई का विरोध -नेताओं ने उल्लेख किया कि सामाजिक न्याय की आवाज उठाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध दमनात्मक कार्रवाई लोकतंत्र के विरुद्ध है। आईएएस संतोष वर्मा के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई को तत्काल वापस लेने की मांग भी इस मंच से उठाई जाएगी। जिले के अजाक्स जिलाध्यक्ष गजराज मरावी, अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी, ओबीसी महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष कुंजबिहारी पटेल और जिलाध्यक्ष सी.बी. पटेल ने संयुक्त रूप से जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और आम जनता से अपील की है। उन्होंने कहा कि यह महासम्मेलन केवल एक सभा नहीं, बल्कि संविधान में निहित समानता और सामाजिक न्याय की गारंटी को लागू कराने का संकल्प है।

अब कान्हा के बारासिंघा सतपुड़ा टायगर रिजर्व में करेंगे चहल-कदमी

कान्हा में ही विलुप्त प्रजाति के हैं बारासिंघा, अब तक 127 बारासिंगा को भेजा जा चुका है सतपुड़ा

कान्हा/टाटरी 17 जनवरी नभाप्र. कान्हा टायगर रिजर्व के बारासिंघा को प्रदेश के अन्य नेशनल पार्कों में आबाद करने के उद्देश्य से इन्हें सफलतापूर्वक स्थानातंरण किया जा रहा है। बारासिंगा विश्व की अति संकटग्रस्त प्रजाति है। इस प्रजाति के विलुप्त होने की आशंका और बचाव के उद्देश्य से 2015 में इनको अन्य नेशनल पार्कों में आबाद करने की कार्ययोजना बनाई गई। जिसके बाद कान्हा से बारासिंघा का ट्रांसलोकेशन किया जा रहा है। अभी तक बारासिंघा को कान्हा से बांधवगढ़, सतपुड़ा और वन विहार भोपाल शिफ्ट किया गया है। बताया गया कि 17 जनवरी को कान्हा नेशनल पार्क से सतपुड़ा टायगर रिजर्व नर्मदापुरम के लिए 12 बारासिंगा भेजे गए है। यह पूरा अभियान क्षेत्र संचालक रवीन्द्र मणि त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान कान्हा प्रबंधन की पूरी टीम मुस्तैद रही, जिसमें उप संचालक पुनीत गोयल, वन्यजीव चिकित्सक डॉ. संदीप अंग्रवाल, डॉ. आरके चतुर्वेदी, सहायक संचालक बंजर, परिक्षेत्र अधिकारी सरही एवं अन्य वनकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

जानकारी अनुसार प्रदेश का राजकीय पशु बारहसिंघा कान्हा नेशनल पार्क में आबाद है। कान्हा में ही विलुप्त प्रजाति मौजूद है। यहां करीब 1100 की संख्या में बारासिंगा है। बारासिंगा की प्रजाति के विलुप्त होने की आशंका को देखते हुए प्रदेश के अन्य नेशनल पार्कों में इन्हें आबाद करने के उद्देश्य से सतपुड़ा टायगर रिजर्व में बसाने की तैयारी वर्ष 2015 से चल रही है। इसके लिए मंडला के कान्हा नेशनल पार्क के सरही परिक्षेत्र स्थित सौंफ मैदान से 12 बारासिंगा (04 शावक एवं 08 मादा) को सफलता पूर्वक केप्चर कर विशेष वाहन से सतपुड़ा टायगर रिजर्व की ओर रवाना किया गया। जहां उन्हें विशेष रूप से बनाए गए बाड़े में छोड़ा जाएगा।

कान्हा से अभी तक 182 बारासिंघा हुए शिफ्ट

बताया गया कि सतपुड़ा टायगर रिजर्व में बारासिंघा को आबाद करने के लिए शासन द्वारा दिए गए आदेशानुसार बारासिंघा भेजने का प्लान है। जिसमें 12 शिफ्ट में अभी तक 127 बारासिंगा सतपुड़ा टायगर रिजर्व नर्मदापुरम भेजे जा चुके है। इन बारासिंगा को कान्हा टायगर रिजर्व समेत सरही परिक्षेत्र से सफलता पूर्वक कैप्चर किया गया। इसके साथ ही वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में 7 बारासिंगा और बांधवगढ़ टाईगर रिजिर्व उमरिया में अभी तक 48 मध्य भारतीय हार्ड ग्राउंड बारासिंगा शिफ्ट किये गये है। प्रदेश के नेशनल में पार्क को बारासिंगा से आबाद करने का प्लान है। जिसके चलते बारासिंघा की कान्हा से शिफ्टिंग की जा रही है। अभी तक बाधवगढ़, वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टायगर रिजर्व में 182 बारासिंघा भेजे जा चुके है।

ऐसे किया गया बारहसिंघा को बोमा से कैप्चर

बताया गया कि हिरण और बारासिंगा बेहद नाजुक वन्य प्राणी होते हैं। जिन्हें पकड़ना या टेंक्यूलाइज करना खतरे से खाली नहीं होता। जिसके कारण बारासिंगा को बिना हाथ लगाए और बेहोश किए कैप्चर करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए वाई के आकार का एक अपारदर्शी बाड़ा तैयार किया जाता है, जिसका एक हिस्सा काफी चौड़ा और सामने से खुला होता है, वहीं दूसरा हिस्सा पतली गली सा होता है। पतली गली वाले हिस्से के मुहाने पर उस वाहन को लगा दिया जाता है जिसमें बारासिंगा परिवहन किए जाने हैं। बाड़े के चौड़े वाले खुले हिस्से से बारासिंगा अंदर प्रवेश कर जाते हैं और फिर उन्हें हांककर पतली गली वाले हिस्से की तरफ ले जाया जाता है, जिसके मुहाने पर खड़े वाहन में बारासिंगा सवार हो जाते हैं।

बारासिंगा की घटती संख्या को बढ़ाने का प्रयास

बताया गया कि प्रदेश में कान्हा नेशनल पार्क ही हार्ड ग्राउंड बारासिंगा की बड़ी संख्या में प्रजाति थी लेकिन सन 1970 तक बारहसिंघा की संख्या कम हो गई। यहां सिर्फ 68 बारासिंगा बचे थे। कान्हा प्रबंधन द्वारा बेहतर संरक्षण के चलते अब कान्हा में इनकी संख्या लगभग 1100 तक हो गई है। इसके बाद बारासिंगा की संख्या बढ़ाने के लिए कार्य योजना बनाई गई। यहां बारासिंगा को बाड़े में रखा गया। इसके बाद विशेष देख रेख की गई। यहां के स्थाईकर्मी जोधा सिंह का बारहसिंघा की प्रजाति बढ़ाने में विशेष योगदान रहा। बारहसिंघा का कुनबा बढ़ाने के लिए यहां के करीब 250 अजगर बाड़े से बाहर निकाले गए, जिसके बाद बारहसिंघा की संख्या बढ़ने लगी। अब कान्हा में बारहसिंघा की संख्या करीब 1100 के आसपास है। यहां के अलावा अब प्रदेश के दूसरे पार्कों में भी बारासिंगा की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के चलते अब बांधवगढ़ पार्क में भी बारासिंगा को भेजने की कार्ययोजना शुरू हो गई है, जिसके बाद बांधवगढ़ पार्क में भी पर्यटकों को बारासिंगा के दीदार होंगे।

इतने हो चुके अब तक शिफ्ट

दिनांक	संख्या	नेशनल पार्क
06 जनवरी 2015	07	वनबिहार भोपाल
सतपुड़ा टाईगर रिजर्व होशंगाबाद		
03 मार्च 2015	08	सतपुड़ा
15 मार्च 2015	08	सतपुड़ा
14 जनवरी 2016	06	सतपुड़ा
27 जनवरी 2017	11	सतपुड़ा
15 फरवरी 2020	13	सतपुड़ा
25 फरवरी 2021	12	सतपुड़ा
04 फरवरी 2022	08	सतपुड़ा
10 फरवरी 2022	12	सतपुड़ा
14 जनवरी 2023	20	सतपुड़ा
20 मार्च 2024	08	सतपुड़ा
01 अप्रैल 2024	09	सतपुड़ा
17 जनवरी 2026	12	सतपुड़ा
बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया		
26 मार्च 2023	19	बांधवगढ़
07 मई 2023	18	बांधवगढ़
13 फरवरी 2024	11	बांधवगढ़